साप्ताहिक
युवा प्रदेश
Freedom Of Speech
RNI. NO. MPHIN/2015/76299
संपादक-नागेश नरवरिया
YP24 NEWS
जिले एवं तहसीलों में संवाददाता नियुक्त करना है संपर्क करें ...
संपर्क करे- 9425156055
वर्ष-10 अंक-24 | www.yuvapradesh.in | भोपाल, शुक्रवार 24 जुलाई 2026 | ypnews24@gmail.com | पृष्ठ-08 मूल्य 2 रूपये

Caveat क्या है और आपको कानूनी चक्रव्यूह से बचाने कितनी उपयोगी है, पढ़िए CPC 148.

लेखक एडवोकेट बी. आर. अहिरवार (विधिक सलाहकार नर्मदापुरम) 9827737665

आज ही के दिन दिनांक 22 जुलाई 1947 को भारत की संविधान सभा में तिरंगे को भारत के राष्ट्रीय ध्वज के रूप में अंगीकार किया गया था। इसलिए 22 जुलाई को भारत में तिरंगा दिवस मनाया जाता है। आज के दिन हम आपको बताना चाहते हैं कि, भारत के प्रत्येक नागरिक का मौलिक कर्तव्य है कि वह राष्ट्रीय ध्वज एवं राष्ट्रीय गान का पूरा सम्मान करे, क्योंकि यह हमारे देश के प्रतीक एवं गौरव है। अगर कोई व्यक्ति झंडे का अपमान करता है या राष्ट्रीय गान को बीच में रोकता है तब उसके खिलाफ किस कानून के अंतर्गत मामला दर्ज होगा जानिए।

ज़राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण अधिनियम, 1971 की धारा 02 की परिभाषा

तिरंगे झंडे का अपमान करना

अगर कोई व्यक्ति किसी सार्वजनिक स्थान पर तिरंगे झंडे (भारत के राष्ट्रीय ध्वज) को जलाता है, उसे फाड़ता है, नष्ट करता है, कुचलता है, उसका मौखिक या लिखित अनादर करता है, आधा झुका कर फहराता है, किसी वेषभूषा में या साधन में कमर के नीचे पहनता है, किसी प्रतिमा, मेज, मंच पर ढन्कता है एवं जानबूझकर उल्टा फहराता है, तब वह व्यक्ति उपर्युक्त अधिनियम की धारा 02 के अंतर्गत दोषी होगा।

अपराध का वर्गीकरण

यह संज्ञेय एवं जमानतीय अपराध होते है एवं इनकी सुनवाई किसी भी न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वारा होगी। इस अपराध के लिए अपराधी को अधिकतम तीन वर्ष की कारावास या जुर्माना या दोनों से दण्डित किया जा सकता है।

ज़राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण अधिनियम, 1971 की धारा 03 की परिभाषा

राष्ट्रीय गान के समय बाधा उत्पन्न करने पर

जो कोई व्यक्ति जानबूझकर भारतीय राष्ट्रीय गान को गाए जाने से रोकता है, राष्ट्रीय गान होते समय उसका अपमान करता है या बाधा उत्पन्न करता है तब ऐसा उपरोक्त अधिनियम की धारा 03 के अंतर्गत दोषी होगा।

अपराध का वर्गीकरण

यह संज्ञेय एवं जमानतीय अपराध होते है एवं इनकी सुनवाई किसी भी न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वारा होगी। इस अपराध के लिए अपराधी को अधिकतम तीन वर्ष की कारावास या जुर्माना या दोनों से दण्डित किया जा सकता है।

इंदौर और विकास हैं एक दूसरे के पर्यायः सीएम यादव

भोपाल।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इंदौर में बड़ी सौगात देते हुए मध्यप्रदेश के पहले डबल लेयर फ्लाईओवर ब्रिज की एक भुजा का लोकार्पण किया। उन्होंने लवकुश चौराहा पर 175 करोड़ रूपये की लागत से निर्मित इस ब्रिज को आधुनिक तकनीक और उन्नत इंजीनियरिंग का उत्कृष्ट उदाहरण बताया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इंदौर और विकास एक दूसरे के पर्याय है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश एवं प्रदेश चहुँमुखी विकास हो रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सिहंस्थ-2028 को ध्यान में रखते हुए यह फ्लाईओवर इंदौर-उज्जैन मार्ग पर बढ़ते यातायात के सुगम संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगा। इससे यात्रा समय में कमी, ईंधन की बचत, यातायात जाम में राहत तथा नागरिकों को सुरक्षित और सुविधाजनक आवागमन की सुविधा प्राप्त होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह परियोजना विकसित इंदौर एवं विकसित मध्यप्रदेश के संकल्प को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण अधोसंरचनात्मक उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि आने वाले वर्षों में शहर की प्रगति और आधुनिक शहरी विकास की नई पहचान बनेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि 175 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित यह परियोजना आधुनिक

अधोसंरचना विकास यात्रा का महत्वपूर्ण पड़ाव है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इस परियोजना की सबसे प्रमुख विशेषता इसका त्रिस्तरीय यातायात व्यवस्था होना है। प्रथम स्तर पर लवकुश चौराहे का सामान्य यातायात, द्वितीय स्तर पर वर्तमान फ्लाईओवर एवं मेट्रो रेल कॉरिडोर तथा तृतीय स्तर पर नया डबल लेयर फ्लायओवर है। इससे चौराहे पर यातायात का दबाव कम होगा तथा निर्बाध आवागमन सुनिश्चित होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ब्रिज का अवलोकन कर इसकी सराहना भी की। ब्रिज का निर्माण इंदौर विकास प्राधिकरण ने किया है। लगभग 1450 मीटर लंबाई के इस फ्लाईओवर के निर्माण में 22 मीटर की ऊँचाई पर 65 मीटर लंबे एवं 24 मीटर चौड़े स्पान पर दो 400-400 टन वजनी स्टील बो-स्ट्रिंग गर्डर स्थापित किए गए हैं। कुल 800 टन स्टील संरचना का उपयोग इस परियोजना को प्रदेश की महत्वपूर्ण इंजीनियरिंग उपलब्धियों में शामिल करता है। डबल लेयर फ्लाईओवर ब्रिज की एक भुजा के शुरू हो जाने के बाद अरविंदो से बाणगंगा की ओर जाने वाला यातायात प्रारंभ होगा।

CPC 2/11- विधिक प्रतिनिधि क्या होता है, इसके अधिकार और कर्तव्य क्या है-Legal general knowledge

लेखक एडवोकेट बी. आर. अहिरवार (विधिक सलाहकार नर्मदापुरम) 9827737665

विधिक प्रतिनिधि एक ऐसा व्यक्ति होता है जो किसी व्यक्ति की मृत्यु के बाद उसकी संपत्ति का वारिस होता है एवं उसके समस्त कार्यो को उसकी मृत्यु के बाद देखता है। जब कोई व्यक्ति किसी सहकारी बैंकों से या निजी बैंकों से ऋण प्राप्त कर लेता है और ऋण लेने वाले व्यक्ति की मृत्यु हो जाती है तब उसके विधिक प्रतिनिधि के ऊपर ऋण चुकाने की जवाबदारी होती है जानिए कानून भाषा में इसे।

सिविल प्रक्रिया संहिता,1908 की धारा 02 की उपधारा 11 की परिभाषाज़ सिविल प्रक्रिया संहिता के अंतर्गत निम्न व्यक्ति को व्यक्ति का विधिक प्रतिनिधि मना गया है जानिए–

1. ऐसा कोई भी व्यक्ति जो मृतक व्यक्ति की संपत्ति में विधिक प्रतिनिधि हो अर्थात हिन्दू उत्तराधिकारी अधिनियम के अंतर्गत पत्नी, पुत्र, पुत्री, माता पिता, भाई ,चाचा आदि जो मृतक व्यक्ति की संपत्ति में हस्तक्षेप करता है एवं मृतक व्यक्ति की और से वाद ला सकते हैं। कुलमिलाकर कहे तो जो व्यक्ति का संभावित उत्तराधिकारी होता है उसे हम विधिक प्रतिनिधि कहते हैं। क्या विवाहित महिला दुर्घटना में मृतक पिता की संपत्ति की विधिक प्रतिनिधि हो सकती है जानिए जब कोई पिता किसी मोटर वाहन में दुर्घटना का शिकार हो जाए तब उसकी एकमात्र पुत्री, विवाहित पुत्री उसकी विधिक प्रतिनिधि होगी जानिए महत्वपूर्ण जजमेंट

1. न्यू इंडिया इंश्योरेंस कंपनी बनाम अंतर्यामी पुरोहित एवं
2. श्रीमती जय मिनोचा बनाम विजय कुमारः

मामले में छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय द्वारा यह अभिनिर्धारित किया गया कि विवाहित पुत्री आश्रित नहीं है। वह मोटर यान दुर्घटना के मामले में विधिक प्रतिनिधि के रूप में प्रतिकर पाने की हकदार होती है क्यूंकि वह मृतक पिता की संपत्ति की वारिस है।

संभाग के सभी जिलों में एक-एक गांव को धरती आबा उत्कर्ष मॉडल ग्राम के रूप में विकसित किया जाए

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्यप्रदेश

संभागायुक्त कर्मवीर शर्मा ने निर्देश दिए हैं कि संभाग के सभी जिलों में धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान अंतर्गत विभागीय योजनाओं का शत प्रतिशत सेचुरेशन सुनिश्चित करें, इसके लिए विशेष ड्राइव चलाया जाए। इसके साथ ही संभाग के सभी जिलों में कम से कम एक गांव को धरती आबा उत्कर्ष मॉडल ग्राम के रूप में विकसित किया जाए। बैठक में सभी संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। संभाग आयुक्त ने कहा कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य आदिवासी क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे और सामाजिक आर्थिक विकास के लिए प्रधानमंत्री आवास के तहत कनेक्टिविटी रोड, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत मोबाइल मेडिकल यूनिट्स एवं शिक्षा के लिए आवासीय विद्यालयों के साथ - साथ आजीविका एवं उद्यमिता के लिए कौशल विकास के माध्यम से अवसर प्रदान कराएं।

भारत के पहले डेंगू टीके को मंजूरी, डेंगू रोकथाम प्रयासों को मिलेगी मजबूती

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल

भारत में डेंगू की रोकथाम एवं नियंत्रण के प्रयासों को सुदृढ़ करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अंतर्गत केन्द्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) ने डेंगू टेट्रावैलेंट वैक्सीन (लाइव, एटेन्यूएटेड) - क्यूडेंगाक्त्रद्गठ्ठड्ड के विपणन की अनुमति प्रदान कर दी है। इस टीके का निर्माण टाकेदा जीएमबीएच, जर्मनी द्वारा किया गया है तथा इसका आयात एम एस टाकेदा बायोफार्मास्यूटिकल्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड द्वारा किया जाएगा। यह भारत में डेंगू रोग की रोकथाम के लिए स्वीकृत देश का पहला डेंगू टीका है। यह मंजूरी औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 और औषधि नियम, 1945 के प्रावधानों के अनुसार टीके की गुणवत्ता, सुरक्षा और प्रभावकारिता के व्यापक वैज्ञानिक मूल्यांकन के बाद प्रदान की गई है। क्युडेंगा0 एक जीवित, एटिन्यूएटेड टेट्रावेलेंट डेंगू टीका है जिसे रिकॉम्बिनेंट डीएनए प्रौद्योगिकी का उपयोग करके विकसित किया गया है। यह टीका वेरो कोशिकाओं में तैयार किया जाता है, जिसमें डेंगू वायरस टाइप-2 के मुख्य ढांचे में सीरोटाइप-विशिष्ट सतह प्रोटीन को एनकोड करने वाले जीन शामिल किए जाते हैं। इस उत्पाद में आनुवंशिक रूप से संशोधित जीव शामिल हैं। यह पुनः संयोजन के लिए एक सूखे चूर्ण के रूप में आता है और इसे त्वचा के नीचे इंजेक्शन के रूप में दिया जाता है। यह टीका 4 से 60 वर्ष की आयु के व्यक्तियों में डेंगू की बीमारी से बचाव के लिए दिया जाता है। इसकी अनुशंसित टीकाकरण अनुसूची में 0.5 मिलीलीटर की दो खुराकें शामिल हैं, जिन्हें

तीन महीने के अंतराल 0 और 3 महीने पर दिया जाता है। इस मंजूरी को एक व्यापक वैश्विक नैदानिक विकास कार्यक्रम के माध्यम से प्राप्त साक्ष्यों का समर्थन प्राप्त है, जिसने डेंगू-स्थानिक और गैर-स्थानिक दोनों क्षेत्रों में टीके की सुरक्षा, प्रतिरक्षाजनकता और प्रभावकारिता का मूल्यांकन किया है। ये अध्ययन ब्राजील, थाईलैंड और श्रीलंका सहित आठ से अधिक देशों के प्रतिभागियों पर किए गए थे। इस मूल्यांकन में 4 से 60 वर्ष के आयु वर्ग के भारतीय प्रतिभागियों को शामिल करते हुए भारत में आयोजित एक महत्वपूर्ण चरण-III सुरक्षा एवं प्रतिरक्षाजनकता अध्ययन भी सम्मिलित था। इस टीके को यूरोपीय संघ, ग्रेट ब्रिटेन, स्विट्ज़रलैंड, इंडोनेशिया, मलेशिया और थाईलैंड सहित 42 देशों के नियामक प्राधिकरणों से पहले ही मंजूरी प्राप्त हो चुकी है। इसके अतिरिक्त, इसे विश्व स्वास्थ्य संगठन का प्रीक्वालिफिकेशन भी प्राप्त है। वैश्विक स्तर पर अब तक इस टीके की 2.4 करोड़ (24 मिलियन) से अधिक खुराकें वितरित की जा चुकी हैं। जिन देशों में इस टीके का उपयोग किया जा रहा है, वहां से प्राप्त पोस्ट-मार्केटिंग सर्विलांस के आंकड़ों ने इसके सुरक्षित होने की पुष्टि की है तथा अब तक सुरक्षा से संबंधित कोई गंभीर चिंता सामने नहीं आई है। देश के पहले डेंगू टीके को मिली मंजूरी भारत की डेंगू के विरुद्ध सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रतिक्रिया में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। इससे राष्ट्रीय वाहक जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत पहले से संचालित वेक्टर नियंत्रण, निगरानी, शुरुआती जांच तथा रोगी प्रबंधन संबंधी उपायों को और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने में सहायता मिलने की अपेक्षा है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय एक मजबूत एवं विज्ञान-आधारित नियामक ढांचे के माध्यम से सुरक्षित, प्रभावी तथा गुणवत्ता-पूर्ण टीकों और दवाओं की समय पर पहुंच सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

एम्स भोपाल व डीआरडीओ-डीआईपीएएस के बीच रक्षा एवं चिकित्सा फिजियोलॉजी अनुसंधान सहयोग समझौता

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्यप्रदेश

एम्स भोपाल और डीआरडीओ की प्रमुख प्रयोगशाला डिफेंस इंस्टीट्यूट ऑफ फिजियोलॉजी एंड एलाइड साइंसेज (डीआईपीएएस) के बीच चिकित्सा एवं रक्षा शरीर क्रिया विज्ञान अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौते पर एम्स भोपाल की ओर से कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) माधवानन्द कर तथा डीआईपीएएस की ओर से निदेशक श्री देवकान्त पहाड़ सिंह ने हस्ताक्षर किए। यह सहयोग अत्यधिक ऊँचाई, कठिन एवं युद्ध जैसी परिस्थितियों में कार्यरत सैनिकों के स्वास्थ्य, कार्यक्षमता और प्रदर्शन को बेहतर बनाने के लिए संयुक्त अनुसंधान तथा स्वदेशी तकनीकों के विकास पर केंद्रित रहेगा। दोनों संस्थान उच्च पर्वतीय एवं अत्यधिक वातावरणीय शरीर क्रिया विज्ञान, संज्ञानात्मक तंत्रिका विज्ञान, तनाव प्रबंधन, बायोमेडिकल इंजीनियरिंग, पहनने योग्य तकनीक तथा एर्गोनॉमिक्स जैसे क्षेत्रों में मिलकर कार्य करेंगे। एम्स भोपाल के शरीर क्रिया विज्ञान विभाग की न्यूरोफिजियोलॉजी, आरटीएमएस, हृदय एवं स्वायत्त तंत्रिका कार्य, फेफड़ों की कार्यक्षमता, एर्गोनॉमिक्स तथा संवेदी मूल्यांकन संबंधी अनुसंधान सुविधाओं को इस सहयोग का प्रमुख आधार बनाया जाएगा। डीआईपीएएस के वैज्ञानिकों ने एम्स भोपाल की अत्याधुनिक अनुसंधान सुविधाओं का विस्तृत भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने फिजियोलॉजी प्रयोगशाला, कम्प्यूटेशनल 3डी मॉडलिंग एवं बायोमैकेनिक्स प्रयोगशाला तथा फ्लोरेसेंस-एक्टिवेटेड सेल सॉर्टिंग (एफएसीएस) प्रयोगशाला का अवलोकन कर वहाँ उपलब्ध उन्नत अनुसंधान अवसंरचना एवं अत्याधुनिक तकनीकों की जानकारी प्राप्त की। यह सहयोग रक्षा चिकित्सा, फिजियोलॉजी एवं जैव-चिकित्सा अनुसंधान को नई दिशा प्रदान करने के साथ-साथ स्वदेशी तकनीकों के विकास, नवाचार को बढ़ावा देने तथा राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं रक्षा क्षमताओं को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

अमलाई हत्याकांडः मुख्य आरोपी को पनाह देने वाले दो गिरफ्तार, SP का बड़ा एक्शन

संभागीय संवाददाता -राजू राय

जिले के अमलाई थाना क्षेत्र में 13 जुलाई को दुकान संचालक पर गोली चलाने के बाद हुई हत्या के मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी की फरारी में मदद करने वाले दो सह-आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश कर दिया है, जबकि वारदात के मुख्य आरोपी की तलाश अभी भी जारी है।

पुलिस के अनुसार 13 जुलाई 2026 को आरोपी राजकुमार शर्मा ने एक रामपुर में दुकानदार पर गोली चलाकर गंभीर हमला किया था। उपचार के दौरान घायल की मौत हो गई, जिसके बाद पुलिस ने हत्या सहित अन्य गंभीर धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू की। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक डॉ. संजय कुमार अग्रवाल के निर्देशन में विशेष टीम गठित कर मुख्य आरोपी और उसके सहयोगियों की तलाश शुरू की गई।

जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि वारदात के बाद मुख्य आरोपी को छिपाने और फरार कराने में पवन मिश्रा तथा सतीश सोनी ने सक्रिय भूमिका निभाई। दोनों आरोपियों ने मुख्य आरोपी को सुरक्षित ठिकाना उपलब्ध कराने के साथ पुलिस से बचने में भी मदद की। इस जानकारी के आधार पर अमलाई थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों सह-आरोपियों को हिरासत में लिया। आवश्यक पूछताछ और कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद उन्हें गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

गिरफ्तार आरोपियों में पवन मिश्रा (33 वर्ष) निवासी ग्राम बैरिहा, थाना बुढ़ार तथा सतीश सोनी (35 वर्ष) निवासी वार्ड क्रमांक-2, सोनी मोहल्ला, थाना सोहागपुर शामिल हैं।

पुलिस का कहना है कि मुख्य आरोपी राजकुमार शर्मा की गिरफ्तारी के लिए लगातार संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। मामले से जुड़े अन्य पहलुओं की भी जांच जारी है और यदि फरारी में किसी अन्य व्यक्ति की संलिप्तता सामने आती है तो उसके विरुद्ध भी वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

इस पूरी कार्रवाई में अमलाई थाना प्रभारी एवं उनकी टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस का दावा है कि मुख्य आरोपी को जल्द गिरफ्तार कर मामले का खुलासा पूरी तरह किया जाएगा।

वन प्रधान क्षेत्रों में आजीविका सशक्तिकरण की पहल दो सौ युवाओं को मिला कौशल प्रशिक्षण एवं रोजगार

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्यप्रदेश

वन प्रधान क्षेत्रों में रहने वाले युवाओं को आजीविका के बेहतर अवसर उपलब्ध कराकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में दक्षिण सागर वनमंडल ने उल्लेखनीय पहल की है। मुख्य वन संरक्षक श्री सागर एवं श्री रिपुदमन सिंह के मार्गदर्शन में दक्षिण सागर वनमंडल द्वारा टाटा मोटर्स और लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) के सहयोग से रोजगार एवं कौशल विकास कार्यक्रम संचालित किए गए, जिनके माध्यम से 200 से अधिक युवाओं को नौकरी उपलब्ध कराई गई है, साथ ही सैकड़ों युवाओं को रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण से जोड़ा जा चुका है। वनांचल एवं ग्रामीण क्षेत्रों के युवाओं को उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करने के लिए वनमंडल की सभी रेंजों में पूर्व

प्रशिक्षण जागरूकता एवं परामर्श कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों में लगभग 1,600 युवाओं ने भाग लेकर रोजगार एवं कौशल विकास योजनाओं की जानकारी प्राप्त की। रोजगार प्रक्रिया के उपरांत 200 से अधिक चयनित युवाओं को सागर-विदिशा संसदीय क्षेत्र की सांसद श्रीमती लता वानखेड़े द्वारा नियुक्ति-पत्र प्रदान किए गए। इस संपूर्ण पहल के सफल क्रियान्वयन में परिवीक्षाधीन आईएफएस अधिकारी श्री जय प्रकाश ने समन्वय एवं योजना निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्हें आईएफएस अधिकारी श्री स्वास्तिक यादववंशी तथा दक्षिण सागर वनमंडल की पूरी टीम का सक्रिय सहयोग प्राप्त हुआ। स्वर्गीय रतन टाटा की प्रेरणा से संचालित ÷लर्न एंड अर्न÷ कार्यक्रम के अंतर्गत 24 युवाओं, जिनमें तीन बालिकाएं भी शामिल हैं चयन गुजरात के साणंद स्थित तीन वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम के लिए किया गया है। प्रशिक्षण के दौरान सभी प्रशिक्षुओं को प्रतिमाह 17 हजार रुपये का स्टाइपेंड भी प्रदान किया जा रहा है, जिससे वे शिक्षा के साथ-साथ आर्थिक रूप से भी सशक्त बन रहे हैं। इसी प्रकार एलएंडटी के कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम में 36 युवाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रशिक्षण पूर्ण करने वाले सभी युवाओं को न्यूनतम 20,500 रुपये प्रतिमाह के वेतन पर रोजगार प्राप्त हुआ है। यह पहल वन क्षेत्रों के युवाओं के लिए सम्मानजनक रोजगार उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जा रही है। वन विभाग वन संरक्षण के साथ वन प्रधान क्षेत्रों में रहने वाले युवाओं के कौशल विकास, रोजगार सृजन और आर्थिक सशक्तिकरण को भी समान प्राथमिकता दे रहा है। उद्योगों के सहयोग से युवाओं को प्रशिक्षण एवं रोजगार उपलब्ध कराकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में यह मॉडल अन्य वन मंडलों के लिए भी प्रेरणास्रोत बन सकता है।

दिल्ली में संसद मार्च के समर्थन में भोपाल के छात्रों का ज्योति टॉकीज चौराहे और बोर्ड ऑफिस चौराहा पर प्रदर्शन, राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

हल्केवीर सूर्यवंशी संभागीय संवाददाता

भोपाल! दिल्ली में आयोजित संसद मार्च के समर्थन में भोपाल के छात्रों ने रविवार को ज्योति टॉकीज चौराहे पर विरोध प्रदर्शन किया। इसके साथ ही बोर्ड ऑफिस चौराहे पर चल रहे भूख हड़ताल कार्यक्रम में शामिल होकर सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के समर्थन में भी अपनी एकजुटता व्यक्त की तथा राष्ट्रपति महोदय के नाम ज्ञापन सौंपा।

पेपर लीक पर रोक लगाने और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग

पेपर लीक के खिलाफ देशभर में चल रहे आंदोलन की गूंज भोपाल में भी सुनाई दी। छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों ने ज्योति टॉकीज चौराहे पर एकजुट होकर विरोध प्रदर्शन किया।

प्रदर्शन के दौरान वक्ताओं ने कहा कि देशभर में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग उठ रही है। उनका आरोप था कि शिक्षा व्यवस्था और परीक्षा प्रणाली पूरी तरह से चरमरा चुकी है। लगातार पेपर लीक की घटनाएं सामने आ रही हैं, लेकिन सरकार इसकी जिम्मेदारी स्वीकार करने और प्रभावी कार्रवाई करने में विफल रही है।

प्रदर्शनकारियों ने कहा कि ऐसी परिस्थितियों में छात्रों और युवाओं

के सामने आंदोलन के अलावा कोई अन्य विकल्प नहीं बचा है। इसी क्रम में आज दिल्ली के जंतर-मंतर पर देशभर से हजारों छात्र एकत्र होकर संसद की ओर मार्च कर रहे हैं।

प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान तत्काल अपने पद से इस्तीफा दें, राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) को भंग किया जाए तथा शिक्षा व्यवस्था में व्याप्त भ्रष्टाचार के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। इस अवसर पर छात्रों ने देशवासियों से अपील की कि शिक्षा व्यवस्था में सुधार और पेपर लीक जैसी घटनाओं पर रोक लगाने के लिए देश के हर शहर, कस्बे और चौराहे पर लोकतांत्रिक तरीके से जनआंदोलन खड़ा किया जाए। इस प्रदर्शन को विभिन्न छात्र संगठनों का समर्थन प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं, शिक्षक, अभिभावक एवं सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

उदयपुरा में बसपा की विधानसभा स्तरीय कार्यकर्ता बैठक एवं प्रशिक्षण संपन्न

हल्केवीर सूर्यवंशी संभागीय संवाददाता

उदयपुरा (रायसेन)। बहुजन समाज पार्टी के तत्वावधान में सोमवार को डॉ. अंबेडकर मंगल भवन, उदयपुरा में विधानसभा स्तरीय कार्यकर्ता बैठक एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विधानसभा क्षेत्र के बड़ी संख्या में बसपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं समर्थक शामिल हुए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उमाकांत बंदेवार (जोन प्रभारी, बसपा भोपाल) ने संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने, बहुजन महापुरुषों के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने तथा आगामी चुनावों के मद्देनजर कार्यकर्ताओं से पूरी निष्ठा और सक्रियता के साथ कार्य करने का आह्वान किया।

बैठक को प्रदेश प्रभारी जियालाल अहिरवार, प्रदेश उपाध्यक्ष इंजी. रामाकांत पिप्पल, केंद्रीय कोऑर्डिनेटर एवं पूर्व राज्यसभा सांसद राजाराम, जिला अध्यक्ष सूरज पाल सिंह, जी.डी. अहिरवार एवं के.एल. लडिया, करोड़ी लाल अहिरवार जिला प्रभारी एवं पूर्व विधायक प्रत्याशी उदयपुरा विधानसभा, गिरवर सिंह जिला अध्यक्ष नरसिंहपुर बसपा ने भी संबोधित किया। वक्ताओं ने संगठन विस्तार, कार्यकर्ता प्रशिक्षण और पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने पर जोर दिया। कार्यक्रम में मोहनलाल नरवरिया, विलासपुरी विधानसभा, उदयपुरा विधानसभा एवं भोजपुर विधानसभा के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। इस दौरान संगठनात्मक रणनीति, बूथ सशक्तिकरण और आगामी राजनीतिक गतिविधियों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। कार्यक्रम के आयोजन एवं संचालन में देवेंद्र अहिरवार, सीताराम अहिरवार, नरेश अहिरवार, देवेंद्र तिरपालिया, राजेश अहिरवार, प्रीतम सिंह अहिरवार, लक्ष्मण सिंह अहिरवार एवं रामदयाल अहिरवार सहित स्थानीय बसपा कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

जिस आरोप पर गई सरपंची, उसी पर आयुक्त ने सचिव को किया दोष मुक्त

जिला पंचायत की दोहरी कार्रवाई कटघरे में

कैलाश कुमार अहिरवार - सह संपादक (युवा प्रदेश)

बिरसिंहपुर पाली -- उमरिया जिले की पाली जनपद पंचायत की आदिवासी ग्राम पंचायत गिजरी में अमृत सरोवर निर्माण में विलंबित भुगतान को लेकर जिला पंचायत की पूरी प्रक्रिया अब कठघरे में है। आयुक्त शहडोल के फैसले ने जिला पंचायत की कार्रवाई की मंशा पर ही सवाल खड़े कर दिए हैं। बताया जाता है कि मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत उमरिया ने अमृत सरोवर में भुगतान न करने के मामले में पहले सचिव सुरेन्द्र शुक्ला को निलंबित किया। फिर इतने में भी काम नहीं बना तो सरपंच नन्हू सिंह को भी बलि का बकरा बना दिया। सचिव-सरपंच पर समान रूप से भुगतान न करने के आरोप थे।

जिला पंचायत उमरिया की इस कार्रवाई से असंतुष्ट सचिव ने

आयुक्त शहडोल में अपील कर न्याय की फरियाद लगाई। जिस पर विचारण करते हुए आयुक्त ने जांच प्रतिवेदन और प्रस्तुत साक्ष्यों के आधार पर पाया कि जिला पंचायत की कार्यवाही विधि संगत नहीं है और 10.07.2026 को सचिव को दोषमुक्त कर निलंबन से बहाल कर दिया।

आयुक्त ने क्या कहा

आयुक्त ने अपने पारित फैसले में पाया कि किसी भी शासकीय निर्माण कार्य के भुगतान के लिये तय मापदंड में उपयंत्री द्वारा कार्य का मूल्यांकन के पश्चात ही भुगतान किये जाने का प्रावधान है। जब संबंधित उपयंत्री ने मूल्यांकन ही नहीं किया तो भुगतान की कार्यवाही नहीं हो सकी।

आयुक्त ने जनपद पंचायत पाली के खण्ड पंचायत अधिकारी के जांच प्रतिवेदन का आधार लेते हुए कहा कि समय पर उपयंत्री द्वारा कार्य का मूल्यांकन नहीं करने के लिए सचिव-सरपंच को दोषी नहीं ठहराया जा सकता। फिर भी गिजरी ग्राम पंचायत में हुई इस कार्रवाई ने आदिवासी जनप्रतिनिधियों के मन में भय पैदा कर दिया है कि गलती चाहे जिसकी हो, तलवार तो पंचायत के ऊपर ही गिरेगी। उपयंत्री द्वारा मूल्यांकन न करना जिला पंचायत ने इस मामले को अपने स्तर से उपयंत्री को आदेशित कर मूल्यांकन के निर्देश देकर सुलझाने की बजाय उलझाने में ज्यादा दिलचस्पी दिखाई। जिला पंचायत की इस स्वेच्छाचारी कार्यशैली से अधिकारों का दुरुपयोग हुआ है।

जांच प्रतिवेदन में यह बात सामने आई कि सचिव ने उपयंत्री से मूल्यांकन की मांग करने के बाद भी उपयंत्री ने 13.05.2025 से 17.12.2025 तक मूल्यांकन क्यों नहीं किया। साथ ही जिला पंचायत में शिकायत के बाद भी मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने मामले में संज्ञान लेते हुए उपयंत्री पर कोई कार्रवाई क्यों नहीं की।

पूरी प्रक्रिया दोषपूर्ण

ग्रामीणों और पंचायत प्रतिनिधियों का कहना है कि पंचायत में सरपंच-सचिव की संयुक्त जिम्मेदारी है, लेकिन तकनीकी काम उपयंत्री का है। जब तकनीकी अधिकारी ने ही काम नहीं किया तो नीचे वालों पर कार्रवाई और ऊपर वालों को बचाना समझ से परे है। इस दोहरे मापदंड से पूरे जिले भर में आक्रोश है। सवाल उठ रहा है कि क्या जिला पंचायत ने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए पहले सचिव को फिर सरपंच को बलि का बकरा बना दिया, वहीं उपयंत्री पर वैधानिक कार्रवाई क्यों नहीं की?

सरपंच को भी मिल सकती है राहत

पिछले एक वर्ष से विवादित चल रही ग्राम पंचायत गिजरी के सरपंच नन्दू सिंह ने भी आयुक्त शहडोल के न्यायालय में फरियाद लगाकर जिला पंचायत उमरिया के आदेश को रद्द करने की मांग की है। चूंकि इसी आरोप में निलंबित सचिव के मामले में विधि संगत आदेश पारित कर सचिव को दोष मुक्त पाया गया है, इसलिए सरपंच को भी राहत भरे फैसले की आस है।

अभिभाषक संघ उदयपुरा की नई कार्यकारिणी ने संभाला दायित्व

हल्केवीर सूर्यवंशी संभागीय संवाददाता

उदयपुरा। उदयपुरा बार के सदस्य एडवोकेट मिथलेश मेहरा ने जानकारी देते हुए बताया कि अभिभाषक संघ उदयपुरा की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी ने विधिवत कार्यभार ग्रहण कर लिया है। इस अवसर पर पूर्व पदाधिकारियों का शॉल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मान किया गया तथा उनके संगठन के प्रति योगदान की सराहना की गई।

उन्होंने बताया कि नवनिर्वाचित अध्यक्ष राजेश सिसौदिया सचिव विजित चक्रधर, उपाध्यक्ष उमराव सिंह राजपूत, कोषाध्यक्ष कविता रजक, सहसचिव रणजीत रघुवंशी एवं ग्रंथपाल हुकम सिंह लोधी ने संगठन की गरिमा, अधिवक्ताओं के हितों की रक्षा, पारदर्शी कार्यप्रणाली एवं न्यायालयीन सुविधाओं के विकास के लिए समर्पित होकर कार्य करने का संकल्प व्यक्त किया। एडवोकेट मिथलेश मेहरा ने कहा कि उन्हें केवल आशा ही नहीं, बल्कि पूर्ण विश्वास है कि नई कार्यकारिणी अपनी निष्ठा, ईमानदारी एवं सामूहिक नेतृत्व से संगठन को नई दिशा और नई पहचान देगी तथा अपने कार्यकाल में एक नया कीर्तिमान स्थापित करेगी।

इस अवसर पर भक्तराज सिंह रघुवंशी, श्याम कुमार चांडक, रामेश्वर रघु, डी. एस. शर्मा, बोलेंद्र गिरी, रामकुमार नायक, चतुरनारायण रघुवंशी, पदम सिंह लोधी, जगदीश लोधी, राजेश कटारे, रूप सिंह लोधी एवं विनोद धाकड़, जीतेंद्र मेहरा नवनिर्वाचित कार्यकारिणी एवं समस्त पदाधिकारियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ देते हुए उनके सफल, पारदर्शी एवं जनहितकारी कार्यकाल की मंगलकामना की।

शक,अंधविश्वास और खून,जादू-टोने के शक में झाड़-फूंक करने आए बाबा की कुल्हाड़ी मारकर निर्मम हत्या, एक माह के अंदर अंधविश्वास के चलते दूसरी हत्या

कैलाश कुमार अहिरवार - सह संपादक (युवा प्रदेश)

शहडोल । अंधविश्वास और जादू-टोने का खौफ एक बार फिर खूनी वारदात में बदल गया। सीधी जिले के चंदौरा गांव में झाड़फूंक करने आए एक बाबा की कुल्हाड़ी से निर्मम हत्या कर दी गई। आरोप है कि आरोपी को संदेह था कि बाबा और उसका भाई जादू-टोना कर उसके परिवार पर अनहोनी करा रहे हैं।

इसी शक में उसने ताबड़तोड़ हमला कर बाबा की जान ले ली। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, जबकि शहडोल के पुलिस अधीक्षक ने भी घटनास्थल का जायजा लिया। गौर करने वाली बात यह है कि हाल ही में शहडोल के जयसिंहनगर में भी जादू-टोने के संदेह में एक बुजुर्ग महिला की हत्या हुई थी। लगातार सामने आ रही ऐसी घटनाएं अंधविश्वास के खतरनाक और भयावह चेहरे को उजागर कर रही हैं।

शहडोल जिले के सीधी थाना क्षेत्र के चंदौरा निवासी बुद्धसेन की बेटी की तबीयत खराब थी, इलाज के साथ-साथ झाड़फूंक कराने के उद्देश्य से उसने सीधी निवासी बाबा राज बहोर को अपने घर बुलाया था। इसी दौरान झाड़फूंक की प्रक्रिया चल रही थी कि बुद्धसेन का भाई भीमसेन वहां पहुंच गया और बाबा पर कुल्हाड़ी से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। गंभीर चोटों के कारण बाबा राज बहोर की मौके पर ही मौत हो गई... प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, आरोपी भीमसेन को संदेह था कि उसका भाई बुद्धसेन और बाबा जादू-टोना करते हैं। उसका मानना था कि इसी कारण उसके परिवार में लगातार अनहोनी घटनाएं हुईं, बच्चों की मौत हुई और अब उसके भाई की बेटी भी बीमार है। इसी अंधविश्वास और शक के चलते उसने इस खौफनाक वारदात को अंजाम दे दिया,घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने आरोपी की तलाश में जुट गई द है, तथा पूरे मामले की जांच की जा रही है। गौरतलब है कि हाल ही में शहडोल जिले के जयसिंहनगर थाना क्षेत्र में भी जादू-टोने के संदेह में दो सगे भाइयों ने अपनी ही रिश्तेदार बुजुर्ग महिला की कुल्हाड़ी से हत्या कर दी थी, लगातार सामने आ रही ऐसी घटनाएं यह साबित करती हैं कि अंधविश्वास आज भी समाज में गहरी जड़ें जमाए हुए है।

जयसिंहनगर की शैली द्विवेदी ने NEET 2026 में लहराया परचम, बिना कोचिंग 506 अंक हासिल किए

कैलाश कुमार अहिरवार - सह संपादक (युवा प्रदेश)

जयसिंहनगर। NEET UG परीक्षा 2026 का परिणाम घोषित होते ही जयसिंहनगर का नाम रोशन हुआ है। वार्ड क्रमांक 9 निवासी भारत द्विवेदी एवं श्रीमती श्रुति कीर्ति द्विवेदी की सुपुत्री शैली द्विवेदी ने परीक्षा में सफलता हासिल कर क्षेत्र का गौरव बढ़ाया है।

बिना कोचिंग घर पर रहकर की तैयारी

शैली द्विवेदी ने 720 अंकों की इस कठिन परीक्षा में 506 अंक प्राप्त किए हैं। बताया जाता है कि शैली ने बिना किसी कोचिंग के घर पर रहकर ही अथक परिश्रम से यह उपलब्धि हासिल की है।

शैली पूर्व सैनिक सूरज प्रसाद द्विवेदी की पौत्री हैं। नगर वासियों ने दी बधाई

शैली की इस सफलता पर नगर वासियों ने बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है। शैली की मेहनत को क्षेत्र के लिए प्रेरणा माना जा रहा है।

राहुल गांधी की गिरफ्तारी और छात्रों पर कार्रवाई के विरोध में कांग्रेस का धरना-प्रदर्शन

हल्केवीर सूर्यवंशी संभागीय संवाददाता

उदयपुरा (रायसेन)। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी उदयपुरा, एनएसयूआई जिला रायसेन, नगर कांग्रेस कमेटी, युवा कांग्रेस, पिछड़ा वर्ग कांग्रेस, किसान कांग्रेस, महिला कांग्रेस, सेवादल एवं कांग्रेस के विभिन्न प्रकोष्ठों ने पुराने बस स्टैंड, उदयपुरा में धरना एवं विरोध प्रदर्शन किया।

प्रदर्शन में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की गिरफ्तारी का विरोध किया। साथ ही दिल्ली के जंतर-मंतर पर छात्रों के प्रदर्शन के दौरान पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई, जिसमें लाठीचार्ज और आंसू गैस के प्रयोग के आरोप लगाए गए, उसके खिलाफ भी प्रदर्शन कर सरकार के विरुद्ध नारेबाजी की।

वक्ताओं ने आरोप लगाया कि विपक्ष की आवाज दबाने और छात्रों के लोकतांत्रिक विरोध को बलपूर्वक रोकने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में शांतिपूर्ण विरोध प्रत्येक नागरिक का संवैधानिक अधिकार है और सरकार को जनहित से जुड़े मुद्दों का समाधान करना चाहिए।

धरना-प्रदर्शन में मुख्य रूप से ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष संतोष पवैया, मनोज चक्रधर, पिछड़ा वर्ग कांग्रेस अध्यक्ष पुरुषोत्तम लोधी, राजेंद्र रघुवंशी (सांगू भैया), नगर कांग्रेस अध्यक्ष भारत पोरिया,

सुनील राय, किसान कांग्रेस अध्यक्ष छत्रपाल राजपूत, एनएसयूआई जिला अध्यक्ष अजय रघुवंशी, विक्रम चौहान, गब्बर रघुवंशी, पवन खटीक, देवेंद्र रघुवंशी, अरविंद लोधी, वीरेंद्र धाकड़, दुर्गेश शर्मा, कमल किशोर बिश्नोई, वकील साहब, जीतू मेहरा, मन्नू लाल अहिरवार, पुष्पराज पटेल, साई खेड़ा, अभिषेक धाकड़, देवी सिंह, पंकज राय, प्रदीप धाकड़, अवधेश सिंह कौरव, सचिन लोधी, दिनेश लोधी, बृजेंद्र लोधी, मणिकांत सारंग, दिलीप लोधी, यशपाल सोनी, शिवांश धाकड़, उज्जर खान, फैजान खान, आरिश खान सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं समर्थक मौजूद रहे।

राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के द्वारा नशे से दूरी है जरूरी अभियान के अंतर्गत महाविद्यालय परिसर में आज मानव श्रृंखला का निर्माण किया गया

पत्रकार बीआर अहिरवार नर्मदापुरम।

।दिनांक 22 जुलाई 2026 को प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस शासकीय नर्मदा महाविद्यालय नर्मदा पुरम के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के द्वारा नशे से दूरी है जरूरी अभियान के अंतर्गत महाविद्यालय परिसर में आज मानव श्रृंखला का निर्माण किया गया जिसमें प्रभारी प्राचार्य डॉ कमल वादवा एवं कार्यक्रम अधिकारी डॉ ईरा वर्मा , डॉ सुनील कुमार दिवाकर ने सभी विद्यार्थियों से नशा नहीं करने की अपील की और महाविद्यालय परिसर को नशा मुक्त रखने का संकल्प दिलाया। कार्यक्रम में डॉ धर्मेंद्र कोरी ,डॉ रेणुका ठाकुर,प्रियंका ,डॉ कुमुदिनी गार्गव और साथ ही राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक धर्मेंद्र कटारे , रोहन राजवंशी,अतुल यदुवंशी, दुर्गेश अहिरवार,रेवती ,रानी मेहरा ,सुरभि साहू,ऋषिका कुमरे,माधुरी ,पलक,अमीषा,चंद्रिका,निकिता ,मुस्कान ,सविता विद्यार्थियों ने सहभागिता की

छात्र हितों को लेकर अंबेडकर छात्रावास पहुंचे नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, समस्याएं सुनीं; लाइब्रेरी के लिए 1 लाख और 5 कंप्यूटर देने की घोषणा

हल्केवीर सूर्यवंशी संभागीय संवाददाता

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने शुक्रवार को भोपाल स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर छात्रावास, श्यामला हिल्स का निरीक्षण कर छात्रावास में रह रहे विद्यार्थियों से सीधा संवाद किया। इस दौरान उन्होंने छात्रावास की व्यवस्थाओं, शिक्षा, छात्रवृत्ति, मूलभूत सुविधाओं तथा विद्यार्थियों की विभिन्न समस्याओं को गंभीरता से सुना।

संवाद के दौरान छात्रों ने नीट परीक्षा, देशभर में सामने आए पेपर लीक के मामलों, छात्रवृत्ति में देरी, छात्रावासों में सीटों की कमी तथा अन्य छात्र हितों से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाया। विद्यार्थियों ने इन समस्याओं को विधानसभा में मजबूती से रखने और सरकार से प्रभावी कार्रवाई कराने की मांग की।

इसके बाद आयोजित प्रेस वार्ता में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि छात्रों के अधिकारों और उनके भविष्य से जुड़े मुद्दों पर किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने भरोसा दिलाया कि विधानसभा में छात्र हितों की आवाज पूरी मजबूती के साथ उठाई जाएगी।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने छात्रावास की लाइब्रेरी के विकास के लिए 1 लाख की आर्थिक सहायता तथा 5 कंप्यूटर उपलब्ध कराने की घोषणा भी की।

इस अवसर पर उमंग सिंघार ने राज्य सरकार से मांग की कि प्रदेश के छात्रावासों में सीटों की संख्या बढ़ाई जाए, नए

छात्रावासों का शीघ्र निर्माण कराया जाए, विद्यार्थियों को समय पर छात्रवृत्ति प्रदान की जाए तथा छात्रावासों की मूलभूत सुविधाओं और छात्रों की अन्य समस्याओं का तत्काल समाधान सुनिश्चित किया जाए।

उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि सरकार छात्रों की समस्याओं का समाधान नहीं करती है, तो वे स्वयं छात्रों के साथ छात्रावास में धरना-प्रदर्शन पर बैठेंगे और छात्र हितों की लड़ाई सड़क से लेकर विधानसभा तक लड़ेंगे।

कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों ने नेता प्रतिपक्ष के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उम्मीद जताई कि उनकी समस्याओं और मांगों को विधानसभा में प्रभावी ढंग से उठाया जाएगा।

अहिरवार समाज के रत्न , कुलभूषण श्री अभयराम चौधरी जी से नि डी एस पी

पुलिस विभाग का रुस्तम पुरस्कार सी एम से प्राप्त करते हुए

11/6/2026 को अहिरवार समाज का नाम रोशन किया है । से संस्थापक चौधरी अमान सिंह नरवरिया से नि टी आई पुलिस,प्रदेश प्रभारी अससं म प्र द्वारा अहिरवार समाज संघ म प्र के प्रांतीय अधिवेशन में 14/6/2026 को प्रशस्ति पत्र मुख्य अतिथि सुरेन्द्र चौधरी पूर्व गृह मंत्री जी से दिलाकर नवाजा है जो अससं म प्र के विधिक सलाहकार है पुलिस विभाग का इतना बड़ा पुरस्कार अहिरवार समाज के किसी अधिकारी को नहीं मिला । ये हमारे समाज के रत्न है।

मंटो की 'टोबा टेक सिंह' ने मंच पर जीवंत की विभाजन की त्रासदी

भोपाल, 22 जुलाई।

सआदत हसन मंटो की कालजयी कहानी *%टोबा टेक सिंह%* का प्रभावशाली मंचन बुधवार शाम नीलबड़ स्थित चेतना थिएटर में किया गया। *आदम एक्टर्स क्रिएशन* की ओर से प्रस्तुत यह नाटक ढाई माह की रंगमंचीय कार्यशाला के बाद पहली बार दर्शकों के सामने आया। लगभग *1 घंटा 15 मिनट* की इस प्रस्तुति का निर्देशन *आदम खान* ने किया।

नाटक में 16 से 45 वर्ष आयु वर्ग के 10 कलाकारों ने अपनी अभिनय प्रतिभा का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। प्रमुख कलाकारों में प्रियंक समसेरिया, अजय पटेल, कपिल यादव, विवेकानंद पांडे, प्रखर खाड़े, फ़रहान बैग और रंजीत पंथी* शामिल रहे। कलाकारों के सशक्त अभिनय ने दर्शकों को विभाजन की पीड़ा और मानवीय संवेदनाओं से भावुक कर दिया । विस्थापन की पीड़ा का मार्मिक चित्रण नाटक की कहानी भारत-पाकिस्तान विभाजन के बाद पागलखानों में रह रहे मरीजों के आदान-प्रदान की पृष्ठभूमि पर आधारित है। दोनों देशों की सरकारें पागलखानों के मरीजों का भी आदान-प्रदान करने का निर्णय लेती हैं। इसके बाद मरीज अपनी पहचान, वतन और नई सीमाओं को लेकर गहरे असमंजस में पड़ जाते हैं। कहानी का केंद्र पात्र *बिशन सिंह* है, जो यह समझ नहीं पाता कि उसका गांव *टोबा टेक सिंह* भारत में है या पाकिस्तान में। मंटो ने इस पात्र के माध्यम से विभाजन की त्रासदी, विस्थापन की पीड़ा और इंसानी संवेदनाओं का बेहद मार्मिक चित्रण किया है।

दर्शकों ने सराही प्रस्तुति

नीलबड़ स्थित *बालाजी सुपर बाजार के पास चेतना थिएटर* में आयोजित इस प्रस्तुति को दर्शकों ने खूब सराहा। नाटक के संवाद, निर्देशन और कलाकारों के अभिनय ने दर्शकों को अंत तक बांधे रखा और विभाजन की ऐतिहासिक पीड़ा पर सोचने के लिए प्रेरित किया।

शासन को धोखे में रखकर छात्रवृत्ति लेने वालों के विरुद्ध पुलिस में प्रकरण पंजीबद्ध कर ले गई छात्रवृत्ति वसूल की जाए - कटारे

मध्य प्रदेश / भोपाल 22 जुलाई 2026 समाज के वरिष्ठ नेता दलित आदिवासी महापंचायत मध्य प्रदेश के ग्वालियर चंबल संभाग के प्रभारी दारा सिंह कटारे ने बताया है कि प्रदेश में छात्रवृत्ति का फर्जीवाड़ा और झूठे आय प्रमाण पत्र और झूठ किराये नाम के आधार पर छात्रवृत्ति और आवासीय भत्ता प्राप्त करने वालों के विरुद्ध प्रकरण पंजीबद्ध कराकर ली गई छात्रवृत्ति की वसूली की जाए ज्ञात रहे की लखनलाल बमन्या शिक्षा विभाग में सहायक शिक्षक के पद पर रहते हुए इसके तीन बेटे और एक लड़की ने फर्जी आय प्रमाण पत्र के आधार पर और फर्जी किराए नामे के आधार पर छात्रवृत्ति और आवासीय भत्ता प्राप्त किया है इनके पिता लखन लाल बमन्या निवासी खनियाधाना जिला शिवपुरी अब सेवानिवृत हो चुके हैं इनको लगभग 70 से 80 हजार रुपए प्रतिमा का बेतन प्राप्त हुआ है तो फिर छात्रवृत्ति कैसे ले ली गई उसे समय छात्रवृत्ति के लिए चार लाख से अधिक नहीं होना चाहिए थी लेकिन उनकी आए तो बहुत

ज्यादा थी उसके बाद भी छात्रवृत्ति ली है दारा सिंह कटारे ने कहा है की इतना ही नहीं इसके बड़े लड़के सत्येंद्र बामनिया ने छात्रवृत्ति ले लेकर बीएएमएस किया है तथा छोटे लड़के जितेंद्र बमन्या ने भी ग्रेजुएशन के साथ-साथ व्यवसायिक डिग्री D.ed या B.Ed किया है जो वर्तमान में प्राथमिक शिक्षक के पद पर जिला सिंगरौली में शिक्षा विभाग में पदस्थ है तथा छोटे लड़के पुष्पेंद्र बमन्या ने एक दो नहीं दो दो तीन तीन व्यवसायिक पाठ कम से ग्रेजुएशन किया है और छात्रवृत्ति प्राप्त किया दोनों ने तथा आवासीय भत्ता भी प्राप्त किया है इन तीनों से एक बड़ी लड़की है जिसने ग्रेजुएशन के बाद एलएलबी किया है और छात्रवृत्ति प्राप्त किया है वरिष्ठ समाजसेवी दलित आदिवासी महापंचायत के मध्य प्रदेश के ग्वालियर चंबल संभाग के प्रभारी दारा सिंह कटारे ने मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति विभाग के प्रमुख सचिव तथा अनुसूचित जाति विभाग के आयुक्त के साथ-साथ शिवपुरी कलेक्टर और ग्वालियर कमिश्नर से गलत तरीके तथा गलत दस्तावेजों के आधार पर छात्रवृत्ति लेने वालों के विरुद्ध और आवासीय भत्ता लेने वालों के विरुद्ध पुलिस में प्राथमिकी दर्ज करने के साथ-साथ छात्रवृत्ति और आवासीय भत्ता की राशि वसूल करने की मांग की है दारा सिंह कटारे

वरिष्ठ समाज सेवी एवं संभागीय प्रभारी
ग्वालियर चंबल संभाग
दलित आदिवासी महापंचायत मध्य प्रदेश
मोवा - 9993613838

जिला शिक्षा अधिकारी महोदय जी से कर्मचारियों की समास्याओं के विषय में विस्तृत चर्चा

दिनांक 19.07.2026 रायसेन

मध्यप्रदेश राज्य कर्मचारी संघ जिला रायसेन की तहसील ईकाई उदयपुरा से सचिव संतोष कुमार शर्मा एवं कोषाध्यक्ष माधव सिंह रघुवंशी जी ने जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय रायसेन में जाकर जिला शिक्षा अधिकारी महोदय डी डी रजक जी से सौजन्य भेंट कर कर्मचारियों की समास्याओं से अवगत कराते हुए 35वर्ष की सेवा उपरांत चतुर्थ समयमान वेतनमान का लाभ देने एवं शिक्षकों की पदोन्नति सूची जारी करने एवं ई अटेंडेंस में शिक्षकों आने वाली समास्याओं से अवगत कराया । महोदय जी द्वारा बताया गया कि पद उन्नति प्रकिया चल रही है जिसे माह जुलाई 2026के अंत तक पूर्ण करने का आश्वासन दिया ।।35 वर्ष की सेवा उपरांत समयमान वेतनमान कि प्रकिया माह अगस्त 2026 तक पूर्ण कर ली जाएगी जिला शिक्षा अधिकारी महोदय ने ई अटेंडेंस शिक्षकों को लगाना अनिवार्य बताया है शासन की मंशानुरूप

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन
लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग, मध्यप्रदेश
भोपाल
hwcmp-nhm@mp.gov.in

क्रमांक/रा.स्वा.मि./आ.आ.म./2026/4332 भोपाल, दिनांक 8/7/2026

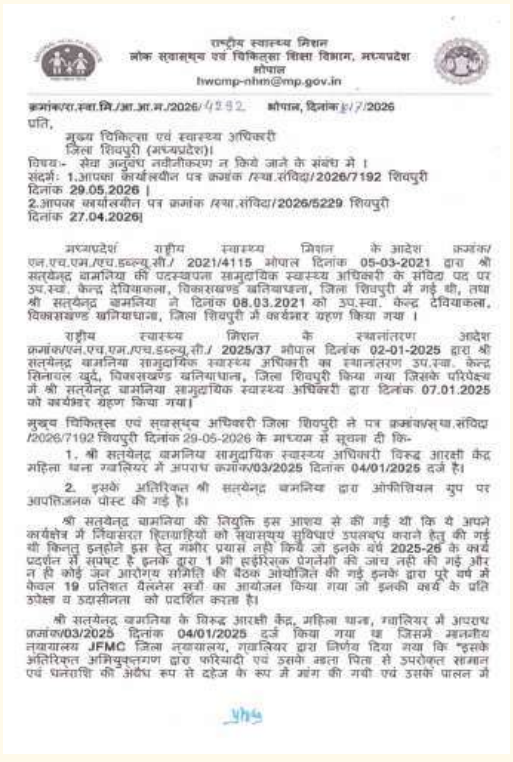

प्रति,
मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी
जिला शिवपुरी (मध्यप्रदेश)।

विषय:- सेवा अनुबंध नवीनीकरण न किये जाने के संबंध मे ।

संदर्भ: 1.आपका कार्यालयीन पत्र क्रमांक /स्था.संविदा/2026/7192 शिवपुरी दिनांक 29.05.2026 ।
2.आपका कार्यालयीन पत्र क्रमांक /स्था.संविदा/2026/5229 शिवपुरी दिनांक 27.04.2026।

मध्यप्रदेश राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के आदेश क्रमांक/एन.एच.एम./एच.डब्ल्यू.सी./ 2021/4115 भोपाल दिनांक 05-03-2021 द्वारा श्री सत्येन्द्र बामनिया की पदस्थापना सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी के संविदा पद पर उप.स्वा. केन्द्र देवियाकला, विकासखण्ड खनियाधाना, जिला शिवपुरी में गई थी, तथा श्री सत्येन्द्र बामनिया ने दिनांक 08.03.2021 को उप.स्वा. केन्द्र देवियाकला, विकासखण्ड खनियाधाना, जिला शिवपुरी में कार्यभार ग्रहण किया गया ।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के स्थानांतरण आदेश क्रमांक/एन.एच.एम./एच.डब्ल्यू.सी./ 2025/37 भोपाल दिनांक 02-01-2025 द्वारा श्री सत्येन्द्र बामनिया सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी का स्थानांतरण उप.स्वा. केन्द्र सिनावल खुर्द, विकासखण्ड खनियाधाना, जिला शिवपुरी किया गया जिसके परिपेक्ष्य में श्री सत्येन्द्र बामनिया सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा दिनांक 07.01.2025 को कार्यभार ग्रहण किया गया।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला शिवपुरी ने पत्र क्रमांक/स्था.संविदा /2026/7192 शिवपुरी दिनांक 29-05-2026 के माध्यम से सूचना दी कि-

1. श्री सत्येन्द्र बामनिया सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी विरुद्ध आरक्षी केंद्र महिला थाना ग्वालियर में अपराध क्रमांक/03/2025 दिनांक 04/01/2025 दर्ज है।

2. इसके अतिरिक्त श्री सत्येन्द्र बामनिया द्वारा ऑफिशियल ग्रुप पर आपत्तिजनक पोस्ट की गई है।

श्री सत्येन्द्र बामनिया की नियुक्ति इस आशय से की गई थी कि वे अपने कार्यक्षेत्र में निवासरत हितग्राहियों को स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने हेतु की गई थी किन्तु इनहोने इस हेतु गंभीर प्रयास नहीं किये जो इनके वर्ष 2025-26 के कार्य प्रदर्शन से स्पष्ट है इनके द्वारा 1 भी हाईरिस्क प्रेगनेंसी की जांच नही की गई और न ही कोई जन आरोग्य समिति की बैठक आयोजित की गई इनके द्वारा पूरे वर्ष में केवल 19 प्रतिशत वैलनेस सत्रों का आयोजन किया गया जो इनकी कार्य के प्रति उपेक्षा व उदासीनता को प्रदर्शित करता है।

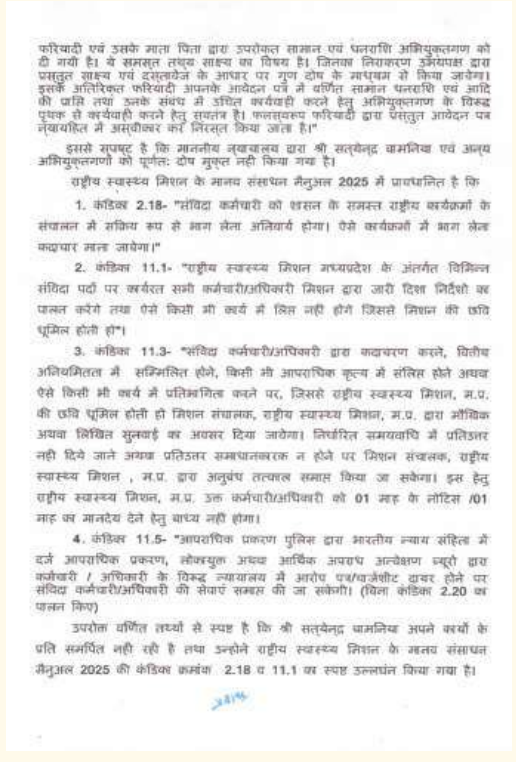

श्री सत्येन्द्र बामनिया के विरुद्ध आरक्षी केंद्र, महिला थाना, ग्वालियर में अपराध क्रमांक/03/2025 दिनांक 04/01/2025 दर्ज किया गया था जिसमें माननीय न्यायालय JFMC जिला न्यायालय, ग्वालियर द्वारा निर्णय दिया गया कि "इसके अतिरिक्त अभियुक्तगण द्वारा फरियादी एवं उसके माता पिता से उपरोक्त सामान एवं धनराशि की अवैध रूप से दहेज के रूप में मांग की गयी एवं उसके पालन में

फरियादी एवं उसके माता पिता द्वारा उपरोक्त सामान एवं धनराशि अभियुक्तगण को दी गयी है। ये समस्त तथ्य साक्ष्य का विषय है। जिनका निराकरण उभयपक्ष द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य एवं दस्तावेज के आधार पर गुण दोष के माध्यम से किया जावेगा। इसके अतिरिक्त फरियादी अपनये आवेदन पत्र में वर्णित सामान धनराशि एवं आदि की प्राप्ति तथा उनके संबंध में उचित कार्यवाही करने हेतु अभियुक्तगण के विरुद्ध पृथक से कार्यवाही करने हेतु स्वतंत्र है। फलस्वरूप फरियादी द्वारा प्रस्तुत आवेदन पत्र न्यायहित में अस्वीकार कर निरस्त किया जाता है।"

इससे स्पष्ट है कि माननीय न्यायालय द्वारा श्री सत्येन्द्र बामनिया एवं अन्य अभियुक्तगणों को पूर्णतः दोष मुक्त नही किया गया है।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के मानव संसाधन मैनुअल 2025 में प्रावधानित है कि

1. कंडिका 2.18- "संविदा कर्मचारी को शासन के समस्त राष्ट्रीय कार्यक्रमों के संचालन में सक्रिय रूप से भाग लेना अनिवार्य होगा। ऐसे कार्यक्रमों में भाग लेना कदाचार माना जायेगा।"

2. कंडिका 11.1- "राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन मध्यप्रदेश के अंतर्गत विभिन्न संविदा पदों पर कार्यरत सभी कर्मचारी/अधिकारी मिशन द्वारा जारी दिशा निर्देशों का पालन करेंगे तथा ऐसे किसी भी कार्य में लिप्त नहीं होंगे जिससे मिशन की छवि धूमिल होती हो"।

3. कंडिका 11.3- "संविदा कर्मचारी/अधिकारी द्वारा कदाचरण करने, वित्तीय अनियमितता में सम्मिलित होने, किसी भी आपराधिक कृत्य में संलिप्त होने अथवा ऐसे किसी भी कार्य में प्रतिभागिता करने पर, जिससे राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, म.प्र. की छवि धूमिल होती हो मिशन संचालक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, म.प्र. द्वारा मौखिक अथवा लिखित सुनवाई का अवसर दिया जायेगा। निर्धारित समयावधि में प्रतिउत्तर नही दिये जाने अथवा प्रतिउत्तर समाधानकारक न होने पर मिशन संचालक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन , म.प्र. द्वारा अनुबंध तत्काल समाप्त किया जा सकेगा। इस हेतु राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, म.प्र. उक्त कर्मचारी/अधिकारी को 01 माह के नोटिस /01 माह का मानदेय देने हेतु बाध्य नहीं होगा।

4. कंडिका 11.5- "आपराधिक प्रकरण पुलिस द्वारा भारतीय न्याय संहिता में दर्ज आपराधिक प्रकरण, लोकायुक्त अथवा आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो द्वारा कर्मचारी / अधिकारी के विरुद्ध न्यायालय में आरोप पत्र/चार्जशीट दायर होने पर संविदा कर्मचारी/अधिकारी की सेवाएं समाप्त की जा सकेंगी। (विल कंडिका 2.20 का पालन किए)

उपरोक्त वर्णित तथ्यों से स्पष्ट है कि श्री सत्येन्द्र बामनिया अपने कार्यों के प्रति समर्पित नही रहे है तथा उन्होने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के मानव संसाधन मैनुअल 2025 की कंडिका क्रमांक 2.18 व 11.1 का स्पष्ट उल्लघंन किया गया है।

दहेज लोभी लालची अपराधी लखन लाल बमन्या के बड़े

लड़के सत्येंद्र बमन्या की संविदा समाप्त अब घर बैठे आनंद करें अभी तो और भी नंबर लगना हैं

भोपाल शिवपुरी ।

जिला शिवपुरी के खनियाधाना निवासी लखनलाल बमन्या जो लालची और झूठ बोलने वाला है उसके बड़े लड़के सत्येंद्र बमन्या जो सी एच ओ (सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी संविदा) समाप्त की जा चुकी है मेंने आदेश भी व्हाट्सएप ग्रुप में शामिल साथियों को पोस्ट किया है अब दो लड़के और हैं बीच वाला जितेंद्र बमन्या तथा छोटा लड़का पुष्पेंद्र बमन्या की कार्रवाई भी जारी है जितेंद्र प्राथमिक शिक्षक है इसकी भी सेवा समाप्त जल्दी होगी इसकी सूचना आपको बहुत जल्दी दी जाएगी पुष्पेंद्र के विरुद्ध भी कार्रवाई होगी एफ आई आर भी दर्ज होगी यह दोनों के विरुद्ध बहुत जल्दी कार्रवाई होगी जैसे यह हैं उसका सबक इनको मिलेगा उन्हें समाज को खूब बेवकूफ बनाया है हम अंबेडकरवादी हैं संघर्षों के आदी हैं बाबा साहब के संविधान के नियम कानून के तहत इस परिवार को दंड दिला कर रहेंगे

खाने-पीने और रोजाना जरूरत के सामान महंगे

जून में थोक महंगाई 9.81%, 44 महीने में सबसे ज्यादा

नई दिल्ली।

जून में थोक महंगाई बढ़कर 9.87% पर पहुंच गई है। यह पिछले महीने 9.68% पर थी। जून में महंगाई 44 महीने में सबसे ज्यादा है। सितंबर 2022 में ये 10.70% पर पहुंच गई थी। कॉमर्स मिनिस्ट्री ने आज यानी 14 जुलाई को थोक महंगाई के आंकड़े जारी किए हैं। महंगाई बढ़ने की वजह रोजमर्रा की जरूरत के सामान और खाने-पीने की चीजों का महंगा होना है। अमेरिका और ईरान के बीच फरवरी से चल रहा तनाव कम नहीं हुआ तो इसके दामों में और इजाफा हो सकता है। इससे पहले कल रिटेल महंगाई के आंकड़े जारी हुए थे। रिटेल महंगाई भी लगातार छठे महीने बढ़कर 4.38% पर पहुंच गई है। फूड आर्टिकल्स जैसे अनाज, सब्जियां नॉन फूड आर्टिकल में ऑयल सीड आते हैं मिनरल्स क्रूड पेट्रोलियम होलसेल प्राइस इंडेक्स का आम आदमी पर असर थोक महंगाई के लंबे समय तक बढ़े रहने से ज्यादातर प्रोडक्टिव सेक्टर पर इसका बुरा असर पड़ता है। अगर थोक मूल्य बहुत ज्यादा समय तक ऊंचे स्तर पर रहता है तो प्रोड्यूसर इसका बोझ कंज्यूमर्स पर डाल देते हैं। सरकार केवल टैक्स के जरिए को कंट्रोल कर सकती है। जैसे कच्चे तेल में तेज बढ़ोतरी की स्थिति में सरकार ने ईंधन पर एक्साइज ड्यूटी कटौती की थी। हालांकि, सरकार टैक्स कटौती एक सीमा में ही कम कर सकती है। ड्डक्क में ज्यादा वेटेज मेटल, केमिकल, प्लास्टिक, रबर जैसे फैक्ट्री से जुड़े सामानों का होता है। रिटेल महंगाई लगातार छठे महीने बढ़ी आलू-अदरक समेत खाने-पीने की चीजों के दाम फिर बढ़ने से रिटेल महंगाई लगातार छठे महीने बढ़ी है। जून में यह 4.38% पर पहुंच गई है। जनवरी में यह 2.74% थी। वहीं एक महीने पहले मई में 3.93% थी। यानी, यह लगातार छठा महीना है जब महंगाई बढ़ी है। श में खाने-पीने की चीजों और रोजमर्रा की जरूरत के सामान की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। जून महीने में थोक महंगाई बढ़कर 9.81 प्रतिशत पर पहुंच गई, जो पिछले 44 महीनों का सबसे ऊंचा स्तर है। महंगाई बढ़ने की प्रमुख वजह खाद्य पदार्थों, ईंधन और अन्य आवश्यक वस्तुओं की बढ़ती कीमतें बताई जा रही हैं। वहीं, खुदरा महंगाई भी पिछले छह महीनों से लगातार बढ़ रही है, जिससे आम लोगों के घरेलू बजट पर दबाव बढ़ता जा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में जल्द राहत नहीं मिली, तो आने वाले महीनों में उपभोक्ताओं की जेब पर असर और बढ़ सकता है।

रोजाना जरूरत के सामान के दाम बढ़े

रोजाना की जरूरत वाले सामानों (प्राइमरी आर्टिकल्स) की महंगाई 4.99% से बढ़कर 7.00% हो गई है। खाने-पीने की चीजों (फूड इंडेक्स) की महंगाई 4.49% से बढ़कर 6.14% पर पहुंच गई है। फ्यूल और पावर की थोक महंगाई दर 30.33% से घटकर 27.41% हो गई है। मैन्युफैक्चरिंग प्रोडक्ट्स की थोक महंगाई में कोई बदलाव नहीं है। यह 7.48% रही। होलसेल महंगाई के 4 हिस्से प्राइमरी आर्टिकल, जिसका वेटेज 22.62% है। फ्यूल एंड पावर का वेटेज 13.15% और मैन्युफैक्चर्ड प्रोडक्ट का वेटेज सबसे ज्यादा 64.23% है। प्राइमरी आर्टिकल के भी चार हिस्से हैं।

भोजशाला परिसर में नमाज पर रोक जारी, एएसआई परिसर से छेड़छाड़ न करे, सुप्रीम कोर्ट का राज्य सरकार को परिसर के पास नई जगह देने का निर्देश

भोजशाला परिसर के पास होगी हर शुक्रवार नमाज

नई दिल्ली/धार।

सुप्रीम कोर्ट ने भोजशाला मामले पर मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ विभिन्न मुस्लिम पक्षों द्वारा दायर याचिकाओं पर मंगलवार को सुनवाई की। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी मोहना की पीठ ने याचिकाओं पर फिलहाल कोई अंतरिम आदेश जारी करने से इनकार कर दिया और हाईकोर्ट के फैसले से पूर्व की स्थिति बहाल करने से इनकार कर दिया। जिसके चलते अभी भोजशाला परिसर में नमाज पर रोक जारी रहेगी। सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश सरकार को धार के भोजशाला मंदिर से सटे किसी खुले स्थान पर नमाज के लिए जगह देने को कहा है। यह आदेश हर शुक्रवार दोपहर 1 से 3 बजे के बीच होने वाले नमाज के लिए है।

मुस्लिम पक्षों को राहत नहीं

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को यह आदेश मप्र हाईकोर्ट के उस फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया, जिसमें परिसर को मंदिर करार दिया गया है। कोर्ट ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण से यह भी कहा है कि बिना कोर्ट की मंजूरी परिसर में किसी भी तरह का बदलाव न करें।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद 10 लाख करोड़ की डिफेंस डील

नई दिल्ली।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत की रक्षा खरीद का पैटर्न तेजी से बदला है। पिछले 14 महीनों में मंजूर रिकॉर्ड प्रस्तावों से संकेत मिलता है कि सेना को अब सिर्फ सीमित जवाबी कार्रवाई के लिए नहीं, बल्कि लंबी और मल्टीलेवल वॉर के लिए तैयार किया जा रहा है। डिफेंस एक्विजिशन काउंसिल ने संघर्ष के बाद से 55 प्रस्तावों को मंजूरी दी, जिनकी कुल कीमत 9.80 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा है। यह रकम एक साथ खर्च नहीं होगी, बल्कि कई साल में अलग-अलग सौदों, निर्माण कार्यक्रमों और आधुनिकीकरण योजनाओं पर लगेगी। तैयारी की पहली वजह ये है कि युद्ध छिड़ना अब सामान्य बात होती जा रही है। दूसरे, जंग छिड़ने के बाद उसे रोकना आसान नहीं रह गया है और तीसरी बात दुश्मन की कोशिश यह होती है कि लंबी और आर्थिक रुप से चोट पहुंचाने वाले सैन्य संघर्ष को जारी रखा जाए। नए प्रस्ताव में लक्ष्य महीनों तक हथियार, मरम्मत में तेजी और रसद बनाए रखना है। रक्षा विशेषज्ञ मानते हैं कि यूक्रेन और पश्चिम एशिया के लंबे संघर्षों ने भारत की सैन्य सोच बदली है। हालांकि, पनडुब्बियों, पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमानों में देरी अब भी बड़ी चुनौती है।

ऑपरेशन सिंदूर से दुनिया में भारतीय हथियारों की डिमांड बढ़ी

ऑपरेशन सिंदूर में ब्रह्मोस, आकाश, लॉयटरिंग म्युनिशन और नेत्र जैसे भारतीय हथियारों के इस्तेमाल के बाद दुनिया में इनकी मांग तेजी से बढ़ी है। कई देशों ने इन्हें खरीदने में रुचि दिखाई है। कुछ देशों के साथ हजारों करोड़ रुपए के सौदे भी हो चुके हैं। इनकी कीमत 21,000 करोड़ रुपए से ज्यादा है। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, 2025-26 में भारत का रक्षा निर्यात रिकॉर्ड 38,424 करोड़ रुपए पहुंच गया, जो पिछले साल से 62 प्रतिशत ज्यादा है। ब्रह्मोस के लिए फिलीपींस, वियतनाम और दो अन्य देशों से करीब 12,500 करोड़ रुपए के सौदे हो चुके हैं। इंडोनेशिया के साथ लगभग 3,600 करोड़ रुपए की डील अंतिम मंजूरी के चरण में है। आकाश मिसाइल सिस्टम के लिए आर्मेनिया से 6,100 करोड़ रुपए का कॉन्ट्रैक्ट पहले ही हो चुका है।

100 से ज्यादा देशों को 38,424 करोड़ रु. का निर्यात

भारत अब 100 से अधिक देशों को रक्षा उपकरण निर्यात करता है। इनमें अमेरिका, फ्रांस और आर्मेनिया प्रमुख हैं। अमेरिका सबसे बड़ा खरीदार है, जहां 2.8 अरब डॉलर के प्रणाली और पार्ट्स, बोइंग और लॉकहीड मार्टिन जैसी बड़ी कंपनियों को जाते हैं। आर्मेनिया जैसे देश पूरे तैयार हथियार खरीद रहे हैं। सरकार ने 2029-30 तक 50,000 करोड़ रुपए का रक्षा निर्यात लक्ष्य रखा है।

हाफिज सईद के खिलाफ गैर-जमानती वारंट

श्रीनगर। जम्मू की स्पेशल कोर्ट ने लश्कर-ए-तैयबा चीफ हाफिज सईद के खिलाफ पहलगाम केस में गैर-जमानती वारंट जारी किया है। कोर्ट ने कहा कि निष्पक्ष जांच के लिए हाफिज सईद को हिरासत में लेकर पूछताछ करनी होगी। कोर्ट ने 8 जुलाई को आदेश जारी किया था, जानकारी मंगलवार को सामने आई है। इससे पहले 6 जुलाई को राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने पहलगाम हमले को लेकर सप्लीमेंट्री चार्जशीट दाखिल की थी। एजेंसी ने कहा था कि बैसरनघाटी में हुए आतंकी हमले की साजिश हाफिज सईद ने ही रची थी। एनआईए ने हाफिज पर भारत के खिलाफ जंग छेड़ने का आरोप लगाया है। 22 अप्रैल 2025 को आतंकवादियों ने पहलगाम में धर्म पूछकर लोगों की हत्या की थी। हमले में 26 टूरिस्ट मारे गए थे। इसके बाद भारत ने 6-7 मई की रात ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान और पीओके में 9 ठिकानों पर हमला किया था।

खास

शेयर बाजार में बिकवाली, सेंसेक्स 561 अंक टूटा

मिडिल ईस्ट के तनाव ने बिगाड़ा माहौल, लाल निशान में बंद हुआ पूरा बाजार

मुंबई।

भारतीय शेयर बाजार के लिए मंगलवार का दिन काफी निराशाजनक रहा। पश्चिम एशिया में गहराते तनाव के कारण दलाल स्ट्रीट पर दिनभर भारी बिकवाली का दबाव देखने को मिला। कच्चे तेल की कीमतों में आई अचानक तेजी ने बाजार का मूड पूरी तरह से बिगाड़ दिया, जिससे सेंसेक्स तथा निफ्टी दोनों में 017 फीसदी तक की बड़ी गिरावट दर्ज की गई। 14 जुलाई के कारोबारी सत्र के अंत में सेंसेक्स 561.46 अंक लुढ़ककर 77,054.94 पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी भी 158.95 अंक टूटकर 24,100 के अहम स्तर से नीचे, 24,052.05 पर आ गया। बाजार में मची इस उथल-पुथल का असर लगभग हर छोटे-बड़े शेयर पर दिखा। मंगलवार के आंकड़ों के अनुसार, बाजार में केवल 1422 शेयरों में ही बढ़त दर्ज की गई। इसके विपरीत, 2632 शेयरों ने निवेशकों को भारी नुकसान पहुंचाया तथा ये लाल निशान में बंद हुए। करीब 190 शेयर ऐसे भी रहे जिनकी कीमतों में दिनभर में कोई बदलाव नहीं हुआ। दिग्गज शेयरों का हाल भी काफी बुरा रहा। निफ्टी के 50 प्रमुख शेयरों में से 39 भारी गिरावट के साथ बंद हुए। मिडकैप तथा स्मॉलकैप कंपनियों के शेयरों पर भी दबाव साफ नजर आया। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स में 0.6 फीसदी तथा निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स में 1 फीसदी की गिरावट आई। सेक्टर के हिसाब से बाजार का प्रदर्शन काफी कमजोर रहा। रियल एस्टेट सेक्टर की हालत सबसे ज्यादा खराब रही। निफ्टी रियल्टी इंडेक्स में सबसे ज्यादा 2 फीसदी की गिरावट आई। इसके बाद सरकारी बैंकों में 1.86 फीसदी, ऑटोमोबाइल सेक्टर में 1.65 फीसदी, बैंकिंग सेक्टर में 1.20 फीसदी तथा आईटी सेक्टर में 1 फीसदी का नुकसान दर्ज किया गया। निफ्टी में शामिल शेयरों में एचसीएल टेक्नोलॉजीज, श्रीराम फाइनेंस, एचडीएफसी लाइफ, टाटा मोटर्स तथा जियो फाइनेंशियल सर्विसेज ने सबसे ज्यादा निराश किया। हालांकि, इस गिरते बाजार में फार्मा सेक्टर ने थोड़ी राहत दी। निफ्टी फार्मा 1.02 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ। भारती एयरटेल, अपोलो हॉस्पिटल्स, सन फार्मा तथा सिप्ला में अच्छी तेजी देखने को मिली।

मिडिल ईस्ट का तनाव बनी मुख्य वजह

बाजार में आई इस भारी गिरावट के पीछे मुख्य कारण पश्चिम एशिया में बढ़ रहा युद्ध का संकट है। अमेरिका तथा ईरान के बीच लगातार बढ़ रहे टकराव ने ग्लोबल मार्केट का सेंटीमेंट बिगाड़ दिया है। हालिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अमेरिका ने लगातार तीसरी रात ईरान पर हमले किए हैं। इस तनाव को और बढ़ाते हुए, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने होर्मुज स्ट्रेट से होने वाले ईरानी व्यापार पर नए सिरे से रोक लगाने का बड़ा ऐलान कर दिया है। यह एक महत्वपूर्ण व्यापारिक मार्ग है, जहां किसी भी तरह की पाबंदी सीधे तौर पर दुनिया भर में कच्चे तेल की सप्लाई को प्रभावित करती है। तेल की कीमतें बढ़ने का सीधा असर भारतीय अर्थव्यवस्था पर पड़ता है, जिससे घबराए निवेशकों ने बाजार में बिकवाली शुरू कर दी।

कॉबिंग गस्त के दौरान बिजुरी पुलिस ने 09 स्थाई 02 गिरफ्तारी वारंट की तामीली

अनूपपुर

पुलिस अधीक्षक अनूपपुर श्री विक्रान्त मुराब द्वारा जिले में अपराधो में नियंत्रण एवं फरार चल रहे वारंटी की तामीली हेतु काम्बिंग गस्त आदेशित किया गया था । जिसके अनुपालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री जगन्नाथ मरकाम एवं एसडीओपी कोतमा श्रीमती आरती शाक्य के निर्देशन में थाना प्रभारी बिजुरी निरी विकास सिंह , निरी मानिम टोप्पो, उपनिरी विपुल शुक्ला , सउनि प्रदीप अग्निहोत्री, सउनि उदय प्रजापति , प्र.आर. बसन्त कोल, आर. 349 रामनिवास गुर्जर, म.आर. संगम तोमर के द्वारा दिनांक 22/07/2026 को कोबिंग गस्त के दौरान वारंटीयों की पता तलास अभियान चलाकर किया गया

जिसमें वारंटीगण संजू कोल पिता रामकुमार कोल उम्र 36 वर्ष निवासी पडरीपानी , रामसिंह पिता सोन सिंह उम्र 45 वर्ष निवासी सिगुडी , घनश्याम सिंह गोंड उर्फ छोटा पिता सोहन सिंह गोंड उम्र 24 वर्ष निवासी कटकोना , दुर्गावती सिंह पति छोटेलाल सिंह उम्र 60 वर्ष निवासी सीएमपीडीआई केम्प बिजुरी, कमला बाई प्रधान पति गेंदलाल प्रधान उम्र 60 वर्ष निवासी बेलिया छोट, लालाराम केवट पिता मट्टू केवट उम्र 35 वर्ष निवासी डोंगरिया कला थाना बिजुरी हेमा बंसल पति राजू बंसल उम्र 35 वर्ष निवासी वार्ड क्र. 11 बिजुरी थाना बिजुरी जिला अनूपपुर को गिरफ्तारी कर माननीय न्यायालय पेश किया गया । इस प्रकार बिजुरी पुलिस द्वारा फरार चल रहे 09 स्थायी और 02 गिरफ्तारी वारंट की तामीली की गई है और तामील शुदा आदेशिकाये मय वारंटी न्यायालय भेजा जाता है ।

थाना मंडीदीप पुलिस की होटलों पर सघन जांच

संदिग्ध गतिविधियों पर रखी पैनी नजर

मंडीदीप।

पुलिस अनुविभागीय अधिकारी (एसडीओपी) शीला सुराणा के निर्देशानुसार थाना मंडीदीप पुलिस द्वारा नगर के विभिन्न होटलों एवं लॉजों में सघन जांच अभियान चलाया गया। अभियान का उद्देश्य क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखना, संदिग्ध व्यक्तियों की गतिविधियों पर निगरानी रखना तथा होटल संचालकों द्वारा अतिथियों का विधिवत रिकॉर्ड संधारित किए जाने की जांच करना था।

जांच के दौरान पुलिस टीम ने होटलों के रजिस्टर, आगंतुकों की पहचान संबंधी दस्तावेज एवं अन्य आवश्यक अभिलेखों का निरीक्षण किया। साथ ही होटल संचालकों को निर्देशित किया गया कि बिना वैध पहचान पत्र के किसी भी व्यक्ति को कमरा उपलब्ध न कराया जाए तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल थाना पुलिस को दें। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि अपराधों की रोकथाम, असामाजिक तत्वों पर प्रभावी निगरानी तथा नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए इस प्रकार की जांच आगे भी नियमित रूप से जारी रहेगी। थाना मंडीदीप पुलिस ने नागरिकों से भी अपील की कि यदि उन्हें किसी संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि की जानकारी मिले तो तुरंत पुलिस को सूचित करें, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

अहिरवार समाज संघ, मध्य प्रदेश ने दी चेतावनी वर्तमान शिक्षा नीति को उजागर करने के लिए पूरे प्रदेश में चलाया जाएगा जन अभियान

भोपाल।

अहिरवार समाज संघ, मध्य प्रदेश ने वर्तमान शिक्षा नीति को लेकर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए चेतावनी दी है कि यदि सरकार ने समय रहते दलित-आदिवासी और वंचित वर्ग के छात्रों के हितों की अनदेखी बंद नहीं की तो संघ पूरे मध्य प्रदेश में जन अभियान चलाएगा। दिल्ली के जंतर मंतर पर जारी छात्रों के आंदोलन का समर्थन करते हुए संघ कहता है कि सरकार को तुरंत ही केंद्रीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान जी का इस्तीफा लेना चाहिए और तत्काल रूप से छात्रों की संपूर्ण मांगे पूरी करना चाहिए। संघ के प्रवक्ता ने यह भी कहा कि यदि छात्रों की मांगे शीघ्र ही पूरी नहीं की जाएगी तो संपूर्ण मध्य प्रदेश में शीघ्र ही धरने प्रदर्शन और आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि नई शिक्षा नीति के नाम पर सरकारी स्कूलों को बंद करना, छात्रवृत्ति में कटौती और निजीकरण को बढ़ावा देना, गरीब और कमजोर वर्ग के बच्चों के साथ अन्याय है। इससे बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के ÷शिक्षित बनो÷ के सपने को चोट पहुंच रही है।

अहिरवार समाज संघ ने मांग की है कि-

1. सरकारी स्कूलों और छात्रावासों को मजबूत किया जाए
2. स्ष्ट/स्ज्ञ छात्रों की छात्रवृत्ति और फीस प्रतिपूर्ति समय पर दी जाए
3. शिक्षा का निजीकरण रोका जाए संघ ने ऐलान किया कि आने वाले दिनों में ब्लॉक से लेकर जिला स्तर तक सभाएं, ज्ञापन और जनजागरण अभियान चलाए जाएंगे।

रायसेन जिले में उदयपुरा अभाविप द्वारा NSUI का पुतला दहन, दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग

हल्केवीर सूर्यवंशी संभागीय संवाददाता

उदयपुरा। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद जिला रायसेन इकाई उदयपुरा द्वारा एक छात्रा के साथ कथित दुष्कर्म की घटना के विरोध में जिला मुख्यालय पर हस्ट्ठ का पुतला दहन किया गया। इस प्रदर्शन में प्रशासन, पुलिस कर्मी और फायर ब्रिगेड के अधिकारी भी मौजूद थे। ABVP के कार्यकर्ताओं ने कहा कि छात्रा के साथ हुई इस गंभीर घटना ने समाज को हिला दिया है। यदि आरोप सिद्ध होते हैं, तो दोषियों को कठोर दंड मिलना चाहिए। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि मामले की निष्पक्ष जांच हो और दोषियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए, ताकि छात्राओं की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

कार्यक्रम में एबीवीपी के जिला संयोजक रमाकांत चौहान सहित बड़ी संख्या में ABVP कार्यकर्ता उपस्थित थे, और सभी ने एकजुट होकर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की, जिसमें प्रशासनिक और पुलिस विभाग का भी सहयोग रहा।

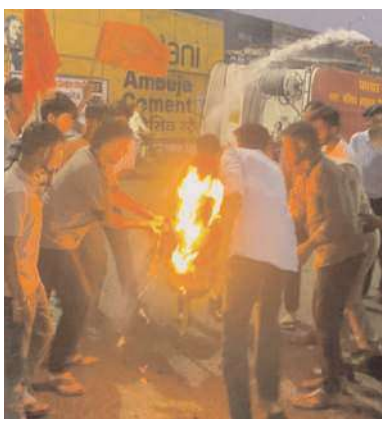

चंद्रशेखर आजाद की जयंती पर मंडीदीप में गूंजा राष्ट्रभक्ति का संदेश

मंडीदीप

नगर मे महान क्रांतिकारी अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद की जयंती के अवसर पर वार्ड क्रमांक 03 स्थित वेयरहाउस मे एक कार्यकर्ता-एक पौधा संकल्प के साथ वृहद पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं एवं नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर पौधारोपण किया और पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जीवन सिंह पाल ने कहा कि अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के ऐसे महान क्रांतिकारी थे, जिन्होंने देश की आजादी के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। उनका जीवन साहस, त्याग, राष्ट्रभक्ति और युवाओं के लिए प्रेरणा का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि आजाद जी ने जिस निर्भीकता के साथ अंग्रेजी हुकूमत का सामना किया, वह देशवासियों को सदैव राष्ट्रहित में कार्य करने की प्रेरणा देता रहेगा।

उन्होंने कहा कि चंद्रशेखर आजाद की जयंती पर पौधारोपण करना उनके विचारों को प्रकृति संरक्षण से जोड़ने का सार्थक प्रयास है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक नागेश नरवरिया द्वारा जय माता प्रिंटर्स म.नं. 1 अमर दाल मिल के पास पेमदीपुरा चिकलोद रोड के पास बापू कालोनी जहांगीराबाद भोपाल मप्र से मुद्रित एवं म.नं. 51 एक्सटेंशन शिवलोक कॉलोनी फेस-3, खजूरी कलां रोड, तह. हुजूर जिला भोपाल से प्रकाशित। **संपादक** : नागेश नरवरिया (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल रहेगा।)